

(ग) राज्य सरकारों की सलाह से योजना प्रायोग ने आयोजना में जो व्यवस्थाएँ की हैं, उनके प्रस्ताव, विभिन्न कुटीर उद्योगों के विकास के लिए धन की मजूरी देते समय निम्न बातों का ध्यान रखा जाता है —

१. कारी और धातुद्योग

- (१) कच्चे माल और ट्रेनिंग पाये हुए लोग प्राप्त हों,
- (२) उद्योग को संगठित करके चलाने का संस्थापको को अनुभव हो
- (३) उद्योग का धीरे विकसित करने की गुंजाइश हो,
- (४) पहले किये गये काम की क्या प्रगति रही और क्या क्या परिणाम रहे ।

२. हथकरघा

राज्य सरकारों को धन देने की जो उच्चतम सीमा निर्धारित की जाती है, उसका आधार राज्य में सूत की खपत तथा करघों की संख्या है ।

३. लघु उद्योग

- (१) लघु उद्योगों के क्षेत्र में राज्य सरकारों द्वारा पहले किया गया काम,
- (२) राज्य की औद्योगिक समावनाएँ और क्षमता,
- (३) किस स्तर तक विकास हो चुका है,
- (४) लघु उद्योगों की दृष्टि से राज्य की आवश्यकताएँ ।

४. इस्तकारियाँ

कच्चे माल, टेक्नीकल कर्मचारियों, विक्री-व्यवस्था की सुविधाओं की उपलब्धि; विकास की योजनाओं पर ध्यान कर सकने की राज्य सरकारों की क्षमता, विद्युत् कारखाना आदि ।

#### Handloom Industry in Delhi

3764. Shri Naval Prabhakar: Will the Minister of Commerce and Industry be pleased to state:

(a) the details of efforts made so far for the development of handloom industry in Delhi under the Second Five Year Plan, and

(b) the amount spent thereon?

The Minister of Commerce and Industry (Shri Lal Bahadur Shastri):

(a) and (b) The number of handlooms in Delhi registered so far is 777. Financial assistance for the development of the handloom industry in Delhi is being given, for various schemes of production and marketing. The amounts sanctioned for various schemes in the years 1956-57, 1957-58 and 1958-59, and the expenditure reported for the first two years of the Second Five Year Plan period, may be seen in the statement laid on the Table of the Sabha [See Appendix VII, annexure No 65]. Progress has been made in the co-operative organisation of handloom weavers. As against 293 looms which were in the co-operative fold on 1st April, 1956, there were 343 handlooms in the co-operative fold on 30th September, 1958.

दिल्ली में धानी तथा नीम का तेल

३७६५. श्री नवल प्रभाकर: क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या दिल्ली में तेल धानी और नीम के तेल के विकास की योजना स्थगित कर दी गई है, और

(ख) यदि हा, तो इसके क्या कारण हैं ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री लाल बहादुर शास्त्री) (क) जी, नहीं। तेलियों की दो सहकारी समितियाँ और चार बहु-उद्देशीय सहकारी समितियाँ पहले से वित्तीय सहायता प्राप्त कर रही हैं और चार समितियों